

श्री वीर तेजा छात्रावास, चितौड़गढ़।

1. **छात्रावास का नाम व पता** —श्री वीर तेजा छात्रावास, चितौड़गढ़।
2. **इतिहास—** 1996-97 में चितौड़ जाट समाज के कार्मिकों ने समाज के समारोह सम्मेलन, एवं छात्रावास के लिए जमीन खरीदने का निर्णय लिया। इसके लिए गाँव एवं शहर के जागरुक लोगों ने मीटिंग कर सक्षम व्यक्तियों सूची बनाकर उनसे सम्पर्क करना शुरू किया। इस कार्य में श्री भैरुलाल एम.ए., श्री चम्पालाल एडवोकेट, श्री बृजेन्द्र सिंह कृषि अधिकारी चितौड़गढ़, श्री हरपाल सिंह राठी, श्री मिठू लाल जाट, श्री मोहनलाल एडवोकेट, श्री मदन लाल कारुन्दा, श्री नगजी राम जालमपुरा, श्री मनवीर सिंह चौधरी, श्री राजवीर सिंह पटवारी, श्री राजवीर सिंह डीआरडीओ आदि अग्रणी थे। इन्होंने प्रति व्यक्ति 5000 रुपये चंदा लेकर शुरू किया। उक्त चंदा राशि एकत्र करने में श्री मदन लाल कारुन्दा, श्री भैरुलाल एम.ए., श्री मिठू लाल, श्री विजेन्द्र सिंह, श्री हरलाल प्रधान, श्री भैरुलाल रानीखेड़ा श्री नागजीराम प्रमुख थें। लगभग 300 व्यक्तियों ने 5000 रुपये का चंदा दिया जिससे अच्छी धन राशि एकत्र हुई तो ग्राम सैती चितौड़गढ़ शहर में 42 आरी जमीन लगभग 04 लाख रुपये में खरीदी। इस दौरान जाट विकास संस्था के नाम से समिति बनाकर 13.01.1998 को रजिस्ट्रेशन करवाया। इसके पहले अध्यक्ष श्री बृजेन्द्र सिंह कृषि अधिकारी थे। श्री नगजी राम जालपुरा उपाध्यक्ष, श्री छोगालाल जाट सतपुड़ा, उपाध्यक्ष, श्री खेमराज जाट मंत्री, श्री भैरुलाल जाट अरनिया पंत, संगठन मंत्री, श्री हरपाल सिंह कोषाध्यक्ष एवं 09 अन्य सदस्य थें। इस संस्था के विधानुसार मुख्य उद्देश्य जाट समाज में शिक्षा प्रचार बालक-बालिका छात्रावास निर्माण व संचालन सामाजिक कुरितियों का निवारण एवं महिला शिक्षा आदि। संस्थान खरीदी हुई उक्त जमीन का कब्जा लिया गया। इसी जमीन के पास नगर पालिका की लगभग 16 आरी आवासीय जमीन थी। उपर्युक्त टीम ने कड़ी मेहनत करके नगर पालिका से लगभग 3.75 लाख में जमीन खरीदकर संस्था के नाम पट्टा बनवा लिया। इसके लिए रुपयों के भुगतान में श्री नागजीराम का प्रमुख योगदान रहा। चितौड़गढ़ में जाट विकास संस्था पहले से कार्यरत थी, जो केवल छात्रावास संबंधी कार्यदेख रही थी, इस लिए सन् 2001 में सम्पूर्ण जिले के जाट समाज को समस्त धार्मिक सामाजिक शैक्षिक उन्नयन की गतिविधियों के संचालन, नियंत्रण एवं नेतृत्व के लिए एक नवीन संस्था जिला जाट समाज का गठन किया जाकर नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसके अध्यक्ष श्री चम्पालाल जाट एडवोकेट, उपाध्यक्ष श्री मेघाराम जाट, श्री भैरुलाल जाट, प्रधान श्री नारुलाल जाट, श्री हिरालाल जाट, महामंत्री श्री उदयलाल जाट, उपप्रधान श्री सोहन लाल कोषाध्यक्ष श्री बागमल जाट सावता, संगठन मंत्री श्री सोभालाल जाट, मंत्री श्री दयाराम जाट, खेलमंत्री श्री बरदीचंद एवं सात सदस्य बनाये गये। इस संस्था का दिनांक 13.09.2002 को रजिस्ट्रेशन संख्या 87 / चितौड़गढ़ / 202-03 के तहत रजिस्ट्रेशन करवाया गया। तब से चितौड़गढ़ में दो संस्थाएँ जिला जाट समाज एवं जाट विकास संस्था जिले के जाट समाज के विकास के लिए प्रयास रत हैं। लेकिन इन दोनों संस्थाओं जिला जाट समाज संस्था की समस्त गतिविधियों के लिए अधिकृत एवं उत्तरदायी है। जाट विकास संस्था इसके अधीन केवल छात्रावास में नवीन निर्माण, रिपेयरिंग, छात्रावास प्रबंधन एवं छात्रावास संचालन आदि गतिविधियों को संचालित करने का दायित्व सौंप रखा है। इसके बाद जिले के समाज के प्रबुध व्यक्तियों छात्रावास निर्माण के लिए पहल करने के लिए तेजा दसमी के मेले पर मीटिंग की। तत्कालिन कपासन विधायक श्री बद्रीलाल जाट ने भी पहल करते हुए छात्रावास निर्माण की कार्ययोजना बनाकर क्रियान्वित करने का बिड़ा उठाया। इसके लिए कमेटिया बनाकर जिले के जाट समाज के दानवीरो से चन्दा एकत्र किया तथा छात्रावास के

भूमि पुजन एवं शिलान्यास समारोह में तत्कालिन मुख्यमंत्री श्रीमती वसुन्धरा राजे एवं समाज की अन्य प्रतिष्ठित हस्तियों को बुलाकर उनके कर कमलों से भूमि पुजन एवं शिलान्यास करवाने का निर्णय लिया, तथा इसका दायित्व श्री बद्रीलाल तत्कालिन विधायक कपासन ने लेते हुए मुख्यमंत्री को कार्यक्रम में मुख्यअतिथी के रूप में आमंत्रित किया, साथ ही जिला जाट समाज के समस्त पदाधिकारियों ने कार्यक्रम को भव्य बनाने के लिए समाज की हस्तियों को आमंत्रित किया।

बाद कार्यकारिणी ने मीटिंग करके समाज के विद्यार्थियों के हितार्थ छात्रावास बनाने का निर्णय लिया। कार्यकारिणी एवं जिले के समाज के मौजिज लोगो की उपस्थिति छात्रावास भवन का शिलान्यास श्रीमती वसुन्धरा राजे मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार के कर कमलों द्वारा हुआ एवं इस अवसर पर श्री शीशराम ओला, खान मंत्री भारत सरकार, श्री धर्मेन्द्र सांसद व अभिनेता, डॉ. श्री ज्ञानप्रकाश पिलानिया सांसद व संरक्षक राज. जाट महासभा, श्री सावरमल जाट सिंचाई मंत्री राजस्थान सरकार, श्री राजाराम मील अध्यक्ष राज. जाट महासभा, श्रीमती उषा पूनिया पर्यटन मंत्री राजस्थान सरकार आदि गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति में दिनांक 13.09.2005 को सम्पन्न हुआ। शिलान्यास समारोह में निर्माण हेतु कई घोषणाएँ हुई, जिनसे बहुत सी धनराशि प्राप्त हुई। श्रीमती वसुन्धरा राजे मुख्यमंत्री ने 11 लाख रुपये का व्यक्तिगत दान दिया। कार्यकारिणी ने जागरुक समाज सेवियों दानदाताओं से धन संग्रण कर निर्माण कार्य शुरू करवाया। समाज के कुछ दानदाताओं ने अपनी तरफ से कमरों की राशि भेट कर छात्रावास निर्माण में महती योगदान दिया। पहली बार में भूतल पर 20 कमरों बनने के बाद श्री वीर तेजा छात्रावास भवन के उद्घाटन समारोह में तत्कालीन मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार श्रीमती वसुन्धरा राजे के कर कमलों से दिनांक 22.09.2007 को इसका लोकार्पण किया गया। जिसमें माननीय डॉ. ज्ञानप्रकाश पिलानिया, सांसद राज्य सभा एवं श्री धर्मेन्द्र अभिनेता सांसद, श्री सावरलाल जाट जल संसाधन मंत्री, श्री रामनारायण डूडी राजस्व मंत्री, श्री दिगम्बर सिंह चिकित्सा मंत्री, श्री सुभाष महरिया पूर्व मंत्री, डॉ. चन्द्र भान सिंह पूर्व मंत्री, कर्नल सोनाराम चौधरी पूर्व सांसद, श्री विजय पूनिया समाज सेवी, डॉ. रतनलाल जाट अध्यक्ष बीज निगम, श्री श्रीचन्द कृपलानी सांसद चित्तौड़गढ़, श्री उदयलाल आजना, पूर्व सांसद, श्री एम.पी सिंह मेंयर जम्मू, श्री ओम पूनिया अध्यक्ष डेयरी फेडरेशन, श्री रामलाल जाट विधायक, श्री महादेव सिंह खण्डेला, विधायक एवं श्री मोहन कटारिया एवं श्री बन्नाराम चौधरी उद्योगपति विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उद्घाटन के बाद विद्यार्थियों को छात्रावास में प्रवेश देना शुरू हुआ। कार्यकारिणी ने मीटिंग कर आगे का निर्माण कार्य शुरू किया गया। छात्रावास के निर्माण कार्य में श्री मदनलाल कारुण्डा, श्री भैरुलाल एम.ए., श्रीरामरतन बाबूजी का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। चन्दा राशि एकत्र करने के साथ-साथ निर्माण कार्य भी मुख्य रूप से उनकी निगरानी में ही सम्पन्न हुआ। श्री मदन लाल का सड़क दुर्घटना में असामयिक निधन भी घर से छात्रावास कार्य हेतु चित्तौड़गढ़ आते समय हुआ था। सन् 2007 में इस हॉस्टल में विद्यार्थी रहने लगे थे एवं तब निरंतर इस छात्रावास की क्षमताओं में अनुरूप विद्यार्थी अध्ययन रहते थे। छात्रावास परिसर में ही सन् 2002 में तेजाजी का मंदिर बना या गया था। चित्तौड़गढ़ जिले में अन्य समाजों की तरह स्वयं के आराध्य देवता की जयंती समारोह पूर्वक मनाने का निर्णय जिला जाट समाज संस्था द्वारा लिया गया। तब से लगातार प्रतिवर्ष तेजा दशमी पर सुबह चित्तौड़गढ़ शहर में तेजाजी की भव्य झांकिया एवं शोभायात्रा निकाली जाती है तथा जिले भर से जाट समाज के गणमान्य व्यक्ति एवं श्रद्धालु तेजाजी के मेले में दर्शनार्थ एवं उस भाग लेने आते हैं। जिला जाट समाज संस्था प्रतिवर्ष तेजा दशमी पर एक प्रतिभा सम्मान समारोह एवं समाज की जनसभा आयोजित करती है। जिसमें राज्य स्तर के समाज के विशिष्ट

मेहमान प्रतिवर्ष अतिथि के रूप में शामिल होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाते हैं। इस कार्यक्रम में दानदाताओं द्वारा की गई घोषणा एवं प्राप्त धन से हॉस्टल का निर्माण, पुनर्निर्माण एवं संचालन होता है। पिछले कुछ वर्षों से हॉस्टल की गतिविधियाँ कोरोना के कारण धीमी हो गई हैं। वर्ष 2022 में श्री बद्रीलाल जाट डेयरी चेयरमैन, श्री शिवनाराण जाट एडवोकेट सचिव, श्री नागदीराम एवं अन्य पदाधिकारियों से श्री गुमनाराम आरपीएस अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक से मुलाकात हुई एवं हॉस्टल में मीटिंग के बाद हॉस्टल की वर्तमान व्यवस्था में सकारात्मक सुझाव एवं परिवर्तन पर चर्चा हुई। श्री बद्रीलाल जाट डेयरी चेयरमैन ने 20000 रुपये की कम्पीटिशन की किताबे हॉस्टल के विद्यार्थियों को लाइब्रेरी के लिए भेंट की। जिसका विद्यार्थी सदुपयोग कर रहे हैं। इसके बाद वर्ष 2022 में ही दोनों संस्थाओं की कार्यकारिणी के सर्वसम्मति से चुनाव हुए। जिसमें श्री मिटूलाल जाट अध्यक्ष जिला जाट समाज एवं श्री गोपाललाल अध्यक्ष जिला जाट विकास संस्था के बनने के बाद इसके श्री मिटूलाल जाट, श्री बद्रीलाल पूर्व विधायक, श्री बद्रीलाल डेयरी चेयरमैन, श्री शिवनारायण जाट एडवोकेट एवं कार्यकारिणी के समस्त पदाधिकारियों ने हॉस्टल विद्यार्थियों के लिए हॉस्टल में सेल्फ स्टडी लाइब्रेरी बनाने को निर्णय करते हुए उसका निर्माण कार्य शुरू करवाया जा चुका है एवं शीघ्र ही यह निर्माण कार्य पूर्ण होकर विद्यार्थियों को लाइब्रेरी की सुविधा प्राप्त हो सकेगी।

कार्यकारीणी – अध्यक्ष का कार्यकाल—

वर्तमान कार्यकारीणी –

जिला जाट समाज पीडीएफ

जाट विकास संस्था पीडीएफ

3. **भौतिक संसाधन –** इस छात्रावास में वर्तमान में 40 कमरों मय बरामदा, कमरों में आवासीय सुविधाएँ, एक बड़ा हॉल पुस्तकालय हेतु, शौचालय, स्नान घर, रसोईघर एवं एक बहुत बड़ा हॉल मीटिंग हेतु बना है। छात्रावास में वॉलीबॉल खेल मैदान बना है।
4. **विद्यार्थी विवरण –** इस छात्रावास में पहले आओं , पहले पाओं के आधार पर कॉलेज एवं स्कूली शिक्षा के छात्रों को प्रवेश दिया जाता है। यद्यपि छात्रावास में प्रवेश हेतु प्रवेश नियमावली बनी है।
5. **शैक्षिक एवं सह शैक्षिक गतिविधियाँ –**
6. **भोजन व्यवस्था –** अभी सामूहिक मैस के बजाय व्यक्तिगत विद्यार्थियों द्वारा भोजन बनाया जाता है।
7. **दानदाता सूची –**

छात्रावास का नाम, पता, रजिस्ट्रेशन, संचालक संस्था का ई-मेल एड्रेस, मो.न. सहित विवरण।

- (2) **इतिहास**— स्थापना से लेकर अब तक, महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले व्यक्तियों का योगदान सहित वर्णन, भूमि आवंटन, खरीद या दान करने वालों का योगदान, भवन निर्माण में दानदाताओं का विवरण शामिल करना है।
- (3) **कार्यकारिणी**—पूर्व के संरक्षक एवं अध्यक्षों का विवरण तथा वर्तमान पूरी कार्यकारिणी का विवरण।
- (4) **भौतिक संसाधन (सुविधाएँ)** —चारदीवारी, कमरें, हॉल, पुस्तकालय, पुस्तकें, कम्प्यूटर एवं कम्प्यूटर कक्ष, भोजनशाला, दुकानें, खेल मैदान सहित अन्य भौतिक सुविधाओं का विवरण।
- (5) **विद्यार्थी विवरण** (a) वर्तमान विद्यार्थियों का विवरण (प्रारूप संलग्न है)
(b) वार्डन
(c) पूर्व विद्यार्थी (एलुमिनी) का विवरण
- (6) **प्रवेश प्रक्रिया (पात्रता, सीट) एवं नियमावली का विवरण**
- (7) **शैक्षिक एवं सहशैक्षिक गतिविधियाँ** —अध्ययन, कोचिंग, ऑनलाइन स्टडी, टेस्ट, स्मार्ट कक्षाएँ, खेलकूद, विशेष मार्गदर्शन शिविर, सेमिनार, विशेष समारोह, जयन्तियाँ आदि का विवरण।
- (8) **वित्तीय प्रबंधन एवं आय स्रोत—**
- (9) **भोजन एवं आवास व्यवस्था—**
- (10) (a) संस्थान के नजदीकी शिक्षण संस्था (मय दूरी) केन्द्रीय विद्यालय, मॉडल स्कूल, अग्रेजी माध्यम विद्यालय, कॉलेज, विश्वविद्यालय, प्रशिक्षण संस्थान (राजकीय एवं निजी संस्थान)—
(b) समाज के ट्रस्ट या संस्थान या व्यक्ति विशेष द्वारा संचालित निजी विद्यालय, कॉलेज, प्रशिक्षण संस्थान या कोचिंग संस्थान का विवरण।